हे भय भंजन जन सुख रंजन

हे भय भंजन जन सुख रंजन:

हे भय भंजन जन सुख रंजन,
समय की यहीँ पुकार,
संजीवनी लाओ फिर इक बार,
हे भय भंजन------

कोरोना संकट है अति भारी,
वैश्विक बिपदा जटिल बिमारी,
लाय संजीवनी प्राण बचाओ,
मचा है हाहाकार,
संजीवनी लाओ फिर इक बार,
हे भय भंजन------

हे महावीर विक्रम बजरंगी,
तुम बिनु और कोऊ ना संगी,
धाय धवल गिरि बूटी लाओ,
सुन लो करुण पुकार,
संजीवनी लाओ फिर इक बार,
हे भय भंजन------

नासो रोग हरो सब पीरा,
हे दुःख भंजन हनुमत वीरा,
तोहें शपथ श्री रघुनाथ की,
सकल जग कर उद्धार,
संजीवनी लाओ फिर इक बार,
हे भय भंजन--------

रचना आभार: ज्योति नारायण पाठक
वाराणसी

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/16632/title/he-bhay-bhajan-jn-sukh-ranjan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |